

20/22

आज यह पत्रावली पेश की। कोई भी
 खातिर नहीं होया। वही क नारी क कील को
 बार-बार आज्ञा लगायी गयी। कोई उपर नहीं
 ही वही क वही क कील वाकण्ड स्वयं
 अद्वारि रैन ह्य पत्रावली अद्वारि रैन
 अद्वारि रैन क खातिर की जायी है। पत्रावली
 केन्द्र गुण रैन नम्बर समुह का वही
 प्रारि खातिर रऊका है।

अधिकांश
 (अलवर) राज०